आरती गणेश जी की

जय गणेश, जय गणेश देवा

माता जाकी पार्वती पिता महादेवा

एक दन्त दयावन्त चार भुजा धारी

माथे पर तिलक सोहे मूसे की सवारी. जय...

अंधन को आँख देत कोढ़िन को काया

बांझन को पुत्र देत निर्धन को माया. जय...

हार चढ़े फ़ूल चढ़े और चढ़े मेवा. जय...

लड्डुअन का भोग लगे संत करें. सेवा

दीनन की लाज रखों शम्भु सुतवारी

सूर श्याम शरण आए सफ़ल कीजे सेवा

कामना को पूरा करो जग बलिहारी. जय...

www.totalbhakti.com